सुदिती ग्लोबल एकेडमी, मैनपुरी ने भारत के सर्वश्रेष्ठ दस दैनिक एवं आवासीय विद्यालयों में शामिल होकर जनपद को किया गौरवान्वित।

सुदिती ग्लोबल एकेडमी, मैनपुरी को भारत के सर्वश्रेष्ठ दैनिक एवं आवासीय विद्यालयों की सूची में मिला 7वां स्थान।

अपने जनपद मैनपुरी का नाम अनवरत् रोशन करने में सदैव कटिबद्ध शहर की संस्था सुदिती ग्लोबल एकेडमी, मैनपुरी नित्य प्रति अपनी सफलताओं के आधार पर एक नवीन पहचान बनाती जा रही है।

ज्ञातव्य है कि एजूकेशन टुडे विगत् कई वर्षों से भारत के समस्त विद्यालयों का उनकी शिक्षा गुणवत्ता के आधार पर एक सर्वे करता है, जिसमें विद्यालय को उसकी शैक्षिक कार्य पद्धति को दृष्टिगत करते हुए अलग–अलग रैंक प्रदान करता है।

इसी श्रेणी में इस वर्ष भी एजूकेशन टुडे द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर किए गए सर्वे के अनुसार विद्यालय सुदिती ग्लोबल एकेडमी ने मैनपुरी जनपद में प्रथम स्थान, उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में से तृतीय स्थान तथा भारत के सभी दैनिक सह आवासीय विद्यालयों में 7वीं रैंक प्राप्त कर जनपद को एक नयी पहचान दी।

सर्वेक्षण में एजूकेशन टुडे ने आवासीय विद्यालयों के निर्धारित मानकों के अनुसार सुदिती ग्लोबल एकेडमी को पूर्णरूपेण सटीक पाया। विद्यालय में आवासीय छात्रों हेतु पूर्णरूपेण संतुलित आहार दिया जाता है, जिससे छात्रों के अन्दर सदाचारिकता के गुण उत्पन्न होते हैं क्योंकि हमारे मस्तिष्क पर अन्न का विशेष प्रभाव पड़ता है। एजूकेशन टुडे ने आवासीय विद्यार्थियों की जीवन शैली का गहनता से अध्ययन किया, जिसका प्रमाण सम्पूर्ण जनपद के सामने उपस्थित है।

एजूकेशन टुडे ने गतवर्षों से हो रही विद्यालय की प्रगतिशीलता पर अपने दृष्टिकोण के अनुसार बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम लगातार उन्नति की ओर अग्रसर होता आ रहा है। विद्यालय के वरिष्ठ प्रधानाचार्य डा. राम मोहन के कुशल मार्गदर्शन में शैक्षिक

पद्धति वास्तव में सराहनीय है। विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तरीकों से अपने विषय को समझने की क्रिया प्रणाली बहुत ही श्रेयस्कर सिद्ध हो रही है।

इस विशेष उपलब्धि के विषय में हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यालय के वरिष्ठ प्रधानााचार्य डा. राम मोहन ने कहा कि जिस तरह से विद्यालय अपनी शैक्षिक गतिविधियों एवं अनुशासन के द्वारा ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है, यह जनपद के समस्त अभिभावकों के सहयोग तथा अध्यापक–अध्यापिकाओं के उचित मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा किए गए कठिन परिश्रम का ही परिणाम है। इस वर्ष विद्यालय ने उत्तर प्रदेश में तृतीय एवं भारत में 7वीं रैंक प्राप्त की है, लेकिन आगे हमारा प्रयास रहेगा कि हम उत्तर प्रदेश एवं समस्त भारत में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने जनपद मैनपुरी का नाम विश्व पटल पर स्वर्णाक्षरों में अंकित करायेंगे। हमारी सकारात्मक सोच एवं लगन ही हमें सर्वोच्च सफलता की श्रेणी में शामिल करने में सदैव सहायक रही है। मनुष्य के अन्दर उसके विचार एक ऐसी शक्ति प्रदान करते हैं जिससे वह अपनी राह सबसे अलग बनाते हुए सभी के लिए प्रेरणादायक बन सकता है। जीवन में प्रत्येक व्यक्ति के अन्दर कुछ अलग करने की लालसा होनी चाहिए। यदि हम दूसरों की बनाई हुई लकीर पर ही हमेशा चलते रहते हैं तो हम कभी भी अपने आप को सभी से अलग प्रदर्शित नहीं कर पाते। यदि हमारे विचार सदैव सकारात्मक रूप धारण किये रहेंगे तो हमारे अन्दर एक ऐसी सोच विकसित होगी जिससे हम सफलता की सर्वश्रेष्ठ सीढ़ी पर चढ़ते चले जाएंगे और हमारे क्रिया कलाप भविष्य में सभी के लिए अनुकरणीय भी बन जाएंगे क्योंकि मनुष्य के कर्म ही उसे महानता की श्रेणी में जोड़ते हैं। वास्तविक रूप से मानव जन्म से नहीं कर्म से महान होता है।

उपलब्धि के इस अवसर पर विद्यालय की प्रशासनिक प्रधानाचार्य डा. कुसुम मोहन, उप प्रधानाचार्य जय शंकर तिवारी एवं कैम्पस कोऑर्डीनेटर अल्का दुबे सहित समस्त अध्यापक–अध्यापिकाएं तथा कर्मचारीगणों ने भी हर्ष व्यक्त किया।